क्रम	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
2/19	वकील उप० बहस पक्ष सुनी गई। पत्रावली वास्ते हुक्म आदेश दिनांक 18/12/19 को पेश हो। [signature]	
8 12/19	वकील उप० कोर्ट के अन्य कार्य में व्यस्त रहने से पत्रावली वास्ते हुक्म आदेश दिनांक 6/1/20 को पेश हो। [signature]	
6 1/20	पीठासीन अधिकारी पंचायतीराज चुनावों में व्यस्त हैं, पत्रावली वास्ते आदेश धारा-11 CPC दिनांक ~~04~~ 12/02/20 को पेश हो। [signature]	
12 2/20	वकील उभयपक्ष उप० पत्रावली पेश हुई, ~~हम~~ बहस सुने काफी वक्त गुजर जाने से हम पुन: बहस सुनना चाहते हैं। वकील उभयपक्ष बहस धारा-11 CPC सुनी गई। पत्रावली वास्ते आदेश 05/3/20 को पेश हो। [signature]	
05 03/20	हमने पत्रावली का अवलोकन किया, प्रार्थना पत्र प्रार्थी अन्तर्गत धारा-11 सीपीसी एवं उसके साथ पेश राजस्व प्रा.पत्र संख्या 2478/2015 अब्दुल करीम वगैरह बनाम सत्यनारायण वगैरह अन्तर्गत धारा 128 रा.भू.अ. 1956 में न्यायालय हाजा द्वारा पारित निर्णय दिनांक 04/07/2015 का अवलोकन किया जिससे यह स्पष्ट है कि न्यायालय हाजा द्वारा सरहद मौजा-रास-प्रधान के खसरा सं.	

Scanned with CamScanner

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
	1371, 1372, 1373 एवं 1370 का पक्षकारान के मध्य सीमांकन एवं पत्थरगढ़ी किये जाने बाबत आदेश किया जा चुका है उक्त निर्णय में प्रश्नगत प्रार्थना के प्रार्थीगण भी बतौर अप्रार्थीगण संयोजित थे तथा हस्तगत ~~खसर~~ प्रकरण में प्रार्थीगण द्वारा खसरा नं. 1370 के सीमांकन एवं पत्थरगढ़ी की मांग की है जबकि पूर्व आदेश 4/7/15 द्वारा खसरा नं. 1370 सहित 1371, 1372 व 1373 के संबंध में समान आदेश जारी किया जा चुका है। इस प्रकार हस्तगत प्रकरण एवं पूर्व निर्णीत प्रकरण के विवाद्यक विवादग्रस्त आराजी एवं पक्षकारान समान है अतः यह स्पष्ट है कि इस संबंध में पूर्व निर्णय 4/07/2015 को हो चुका है तथा हस्तगत प्रकरण में पश्चात्वर्ती विचारण धारा-11 CPC से बाधित है। अतः प्रार्थना पत्र प्रार्थी अन्तर्गत धारा 11 CPC सारवान होने एवं भली भांति साबित होने से स्वीकार करते हुए प्रार्थना पत्र प्रार्थी धारा-128 ~~अन्तर्गत~~ रा॰ भू॰ अधि॰ 1956 खारिज किया जाता है। पत्रावली इन्द्राज रजिस्टर निर्णीत होकर संख्या से एक कम होकर दाखिल दफ्तर हो। SDO

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Digitally signed by Bhaskar Bishnoi
Date: 2020.03.13 13:23:46 IST
Reason: SelfAttested
Location: